

आयतल कुर्सी

اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ ۚ الْحَيُّ الْقَيُّومُ ۚ لَا تَأْخُذُهُ سِنَّةٌ وَلَا نَوْمٌ ۚ لَهُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ ۚ مَنْ ذَا الَّذِي يَشْفَعُ عِنْدَهُ إِلَّا بِإِذْنِهِ ۚ يَعْلَمُ مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ وَمَا خَلْفَهُمْ ۚ وَلَا يُحِيطُونَ بِشَيْءٍ مِّنْ عِلْمِهِ إِلَّا بِمَا شَاءَ ۚ وَسِعَ كُرْسِيُّهُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ ۚ وَلَا يَئُودُهُ حِفْظُهُمَا ۚ وَهُوَ الْعَلِيُّ الْعَظِيمُ (٢٥٥)

अल्लाहु ला-इलाहा इल्लाहु अल हय्युल कय्यूम ला-ताअ खुजूहु
सि-नतुव वला नौम लहू माफिस्समावाति वमा फिल अर्द मनज़ल
लज़ी यशफऊ इन्दहू इल्ला बि-इज़निही याअ-लमु मा-बईना अयदीहिम
वमा ख़लफाहुम वला युहीतूना बि-शैईम्मिन इल्मिही इल्ला बि-माशा-अ
वसिआ कुरसिय्युहुस्समावाति वल अर्द वला यऊदुहू हिफ़जुहुमा वहुवल
अलिय्युल अज़ीम

तर्जुमा

اللہ ہے جس کے سوا کوئی معبود نہیں وہ آپ زندہ اور اوروں کا قائم رکھنے والا, اسے نہ اونگھ آئے نہ نیند,
اسی کا ہے جو کچھ آسمانوں میں ہے اور جو کچھ زمین میں, وہ کون ہے جو اس کے یہاں سفارش کرے بے
اس کے حکم کے, جانتا ہے جو کچھ ان کے آگے ہے اور جو کچھ ان کے پیچھے, اور وہ نہیں پاتے اس کے علم میں
سے مگر جتنا وہ چاہے, اس کی کرسی میں سمائے ہوئے ہیں آسمان اور زمین اور اسے بھاری نہیں ان کی

نگہبانی اور وہی ہے بلند بڑائی والا

अल्लाह है जिसके सिवा कोई माबूद नहीं वो आप ज़िंदा और औरों का क़ायम रखने वाला, उसे
ना ऊँघ आए ना नींद, उसी का है जो कुछ आसमानों में है और जो कुछ ज़मीन में, वो कौन है जो
उस के यहां सिफ़ारिश करे बے उस के हुक्म के, जानता है जो कुछ उनके आगे है और जो कुछ
उनके पीछे, और वो नहीं पाते उस के इल्म में से मगर जितना वो चाहे, उस की कुर्सी में समाए हुए
हैं आसमान और ज़मीन और उसे भारी नहीं उनकी निगहबानी और वही है बुलंद बड़ाई वाला ०

आयतल कुर्सी

اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ ۚ الْحَيُّ الْقَيُّومُ ۚ لَا تَأْخُذُهُ سِنَّةٌ وَلَا نَوْمٌ ۚ لَهُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ ۚ مَنْ ذَا الَّذِي يَشْفَعُ عِنْدَهُ إِلَّا بِإِذْنِهِ ۚ يَعْلَمُ مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ وَمَا خَلْفَهُمْ ۚ وَلَا يُحِيطُونَ بِشَيْءٍ مِّنْ عِلْمِهِ إِلَّا بِمَا شَاءَ ۚ وَسِعَ كُرْسِيُّهُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ ۚ وَلَا يَئُودُهُ حِفْظُهُمَا ۚ وَهُوَ الْعَلِيُّ الْعَظِيمُ (٢٥٥)

अल्लाहु ला-इलाहा इल्लाहु अल हय्युल कय्यूम ला-ताअ खुजूहु
सि-नतुव वला नौम लहू माफिस्समावाति वमा फिल अर्द मनज़ल
लज़ी यशफऊ इन्दहू इल्ला बि-इज़निही याअ-लमु मा-बईना अयदीहिम
वमा ख़लफाहुम वला युहीतूना बि-शैईम्मिन इल्मिही इल्ला बि-माशा-अ
वसिआ कुरसिय्युहुस्समावाति वल अर्द वला यऊदुहू हिफ़जुहुमा वहुवल
अलिय्युल अज़ीम

तर्जुमा

اللہ ہے جس کے سوا کوئی معبود نہیں وہ آپ زندہ اور اوروں کا قائم رکھنے والا, اسے نہ اونگھ آئے نہ نیند,
اسی کا ہے جو کچھ آسمانوں میں ہے اور جو کچھ زمین میں, وہ کون ہے جو اس کے یہاں سفارش کرے بے
اس کے حکم کے, جانتا ہے جو کچھ ان کے آگے ہے اور جو کچھ ان کے پیچھے, اور وہ نہیں پاتے اس کے علم میں
سے مگر جتنا وہ چاہے, اس کی کرسی میں سمائے ہوئے ہیں آسمان اور زمین اور اسے بھاری نہیں ان کی
نگہبانی اور وہی ہے بلند بڑائی والا

अल्लाह है जिसके सिवा कोई माबूद नहीं वो आप ज़िंदा और औरों का क़ायम रखने वाला, उसे
ना ऊँघ आए ना नींद, उसी का है जो कुछ आसमानों में है और जो कुछ ज़मीन में, वो कौन है जो
उस के यहां सिफ़ारिश करे बے उस के हुक्म के, जानता है जो कुछ उनके आगे है और जो कुछ
उनके पीछे, और वो नहीं पाते उस के इल्म में से मगर जितना वो चाहे, उस की कुर्सी में समाए हुए
हैं आसमान और ज़मीन और उसे भारी नहीं उनकी निगहबानी और वही है बुलंद बड़ाई वाला ०